डायमण्ड कॉमिक्स
D-112 10.00

प्राण

चाचा चौधरी साबू काले टापू में

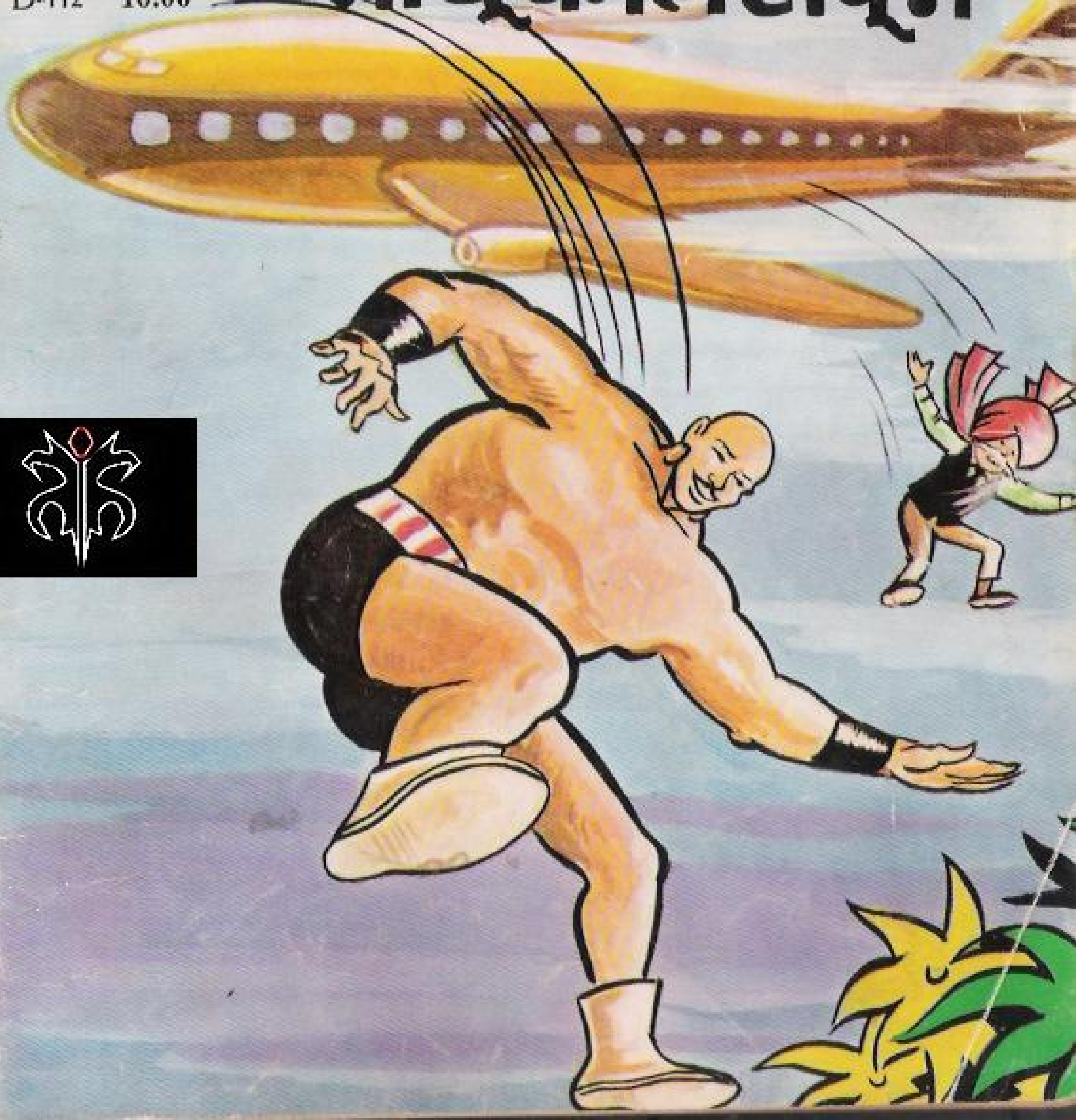

Get More Visit : http://hindicomics.blogspot.com

साबू काले टापू पर
एक टैक्सी तेजी से हवाई अड्डे की तरफ भागी जा रही थी.
अरे भई और तेज चलाओ.
होटल
--मेरा हवाई जहाज छूटने में सिर्फ दस मिनिट रह गये हैं.
बादशाओ, तुने पहुंचाए देने आं.
सत्यानाश!
फिस्स
तुन एअरपोर्ट नहीं पहुंच सक्दे. टायर पंचर हो गया हैं.
ऊं हूं-हूं-हूं
साबू, किसी के रोने की आवाज आ रही है.
हूं-हूं-हूं-
C-351

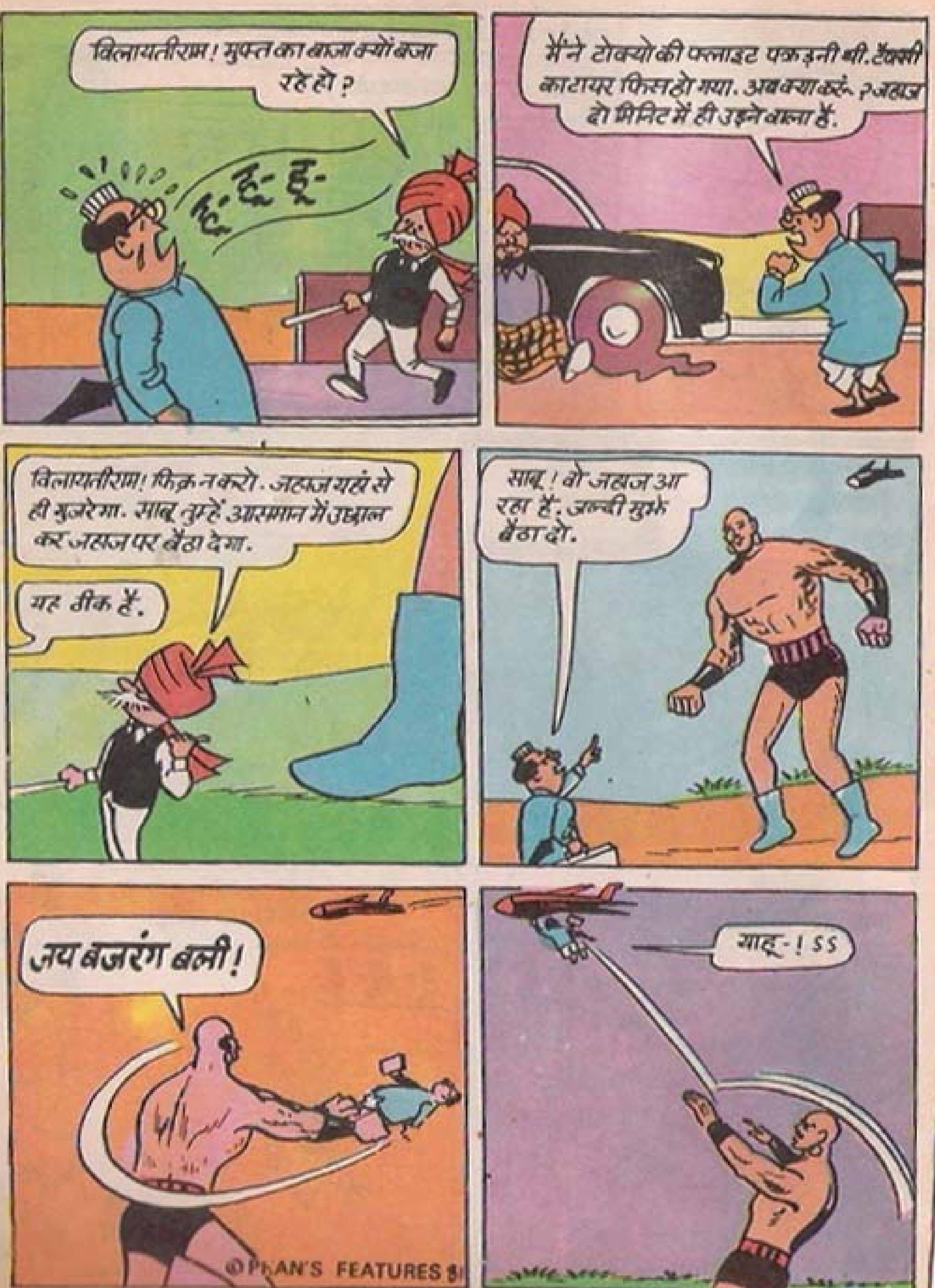
विलायतीराम! मुफ्त का बाजा क्यों बजा रहे हो?
हू-हू-हू-
मैंने टोक्यो की फ्लाइट पकड़नी थी. टैक्सी का टायर पिस हो गया. अब क्या करूं? जहाज दो मिनिट में ही उड़ने वाला है.
विलायतीराम! फिक्र न करो. जहाज यहां से ही गुजरेगा. साबू तुम्हें आसमान में उछाल कर जहाज पर बैठा देगा.
यह ठीक है.
साबू! वो जहाज आ रहा है. जल्दी मुझे बैठा दो.
जय बजरंग बली!
याहू-!SS
©PRAN'S FEATURES

वाह! साबू सचमुच बड़े काम का आदमी है.
अरे, आप ने कहां जाना है?
टोक्यो!
पर यह जहाज तो नैरोबी जा रहा है. टोक्यो की फ्लाइट तक्नीकी कारणों से कैंसिल हो गई.
मर गये! अरे जहाज को रोको!
अब यह नहीं रुक सकता.
मैं छतरी से उतर जाता हूं.
धप!
अरे! मैं कहां आ गिरा?
काले टापू में - और हम यहां आने वाले अजनबी को मार कर उसका आचार डालते हैं.

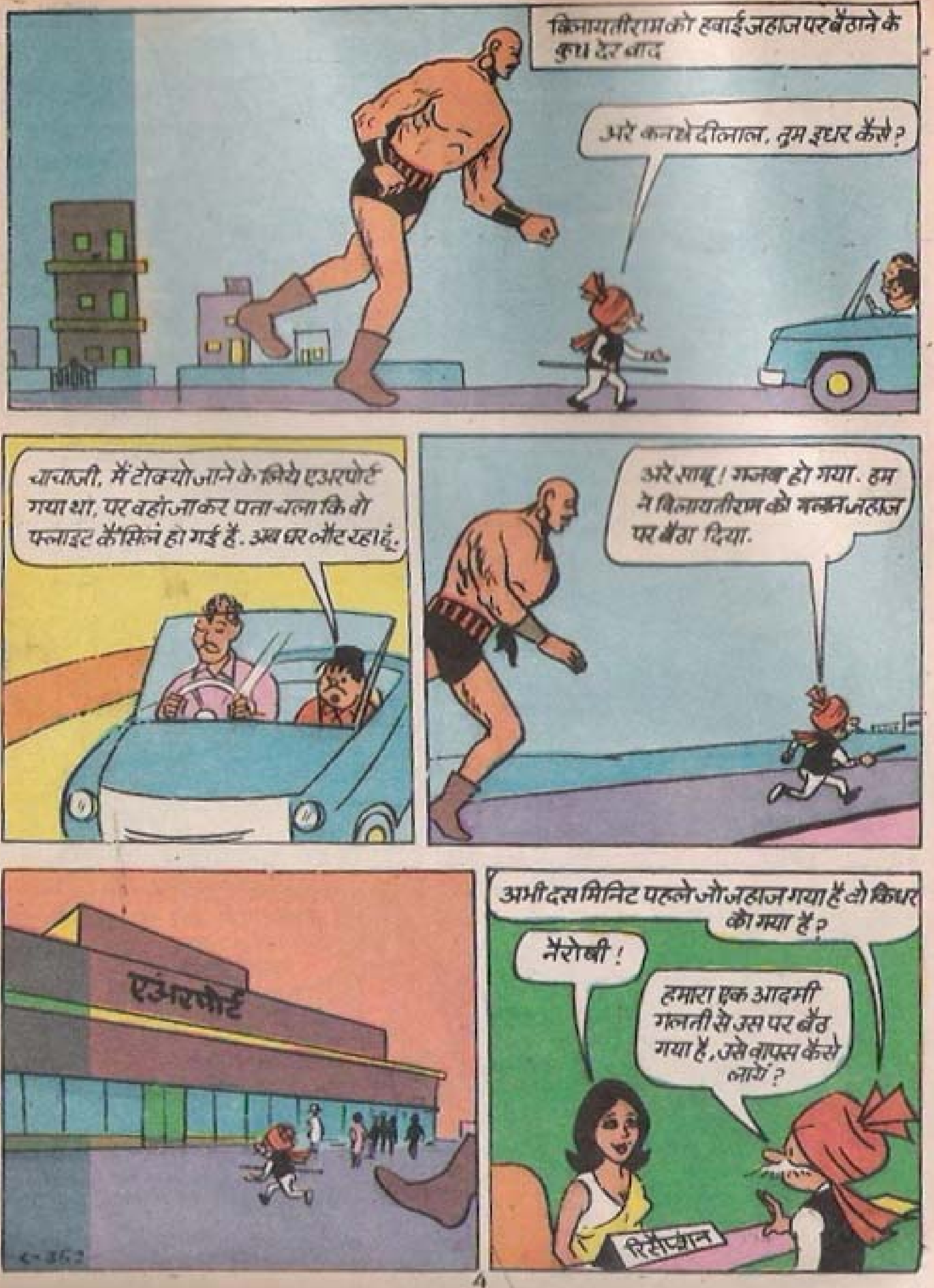

विलायतीराम को हवाई जहाज पर बैठाने के कुछ देर बाद
अरे कनछेदीलाल, तुम इधर कैसे?
चाचाजी, मैं टोक्यो जाने के लिये एअरपोर्ट गया था, पर वहां जाकर पता चला कि वो फ्लाइट कैंसिल हो गई है. अब घर लौट रहा हूं.
अरे साबू! गजब हो गया. हम ने विलायतीराम को गलत जहाज पर बैठा दिया.
एअरपोर्ट
अभी दस मिनिट पहले जो जहाज गया है वो किधर को गया है?
नैरोबी!
हमारा एक आदमी गलती से उस पर बैठ गया है, उसे वापस कैसे लायें?
रिसेप्शन

वो जहाज पैट्रोल लेने के लिये मारीशस उतरेगा. वहीं आप अपने आदमी को खोजें. मारीशस को जहाज उड़ने ही वाला है. पर उस में कोई सीट खाली नहीं.
कोई बात नहीं. हम छत पर बैठ जायें.
रिसैप्शन
साबू आओ!
बीच राह पर फ्लाइट पकड़ ली.
उधर विलायतीराम को काले टापू के राजा के सामने पेश किया जाता है.
वाह! इस अजनबी के टुकड़े कर के बढ़िया अचार डाल कर मेरे पास लाओ. मुझे भूख लगी है.
थमो!
चाचाजी, वो रहा विलायतीराम. लगता है वो रास्ते में काले टापू पर ही उतर गया होगा.
तो फिर वहीं छलांग लगादो.
जय बजरंगबली!
© PRAN'S FEATURES 1981

धड़ाम!
ओह!
तड़ाक!
चाचाजी, जल्दी करो. उधर से दिल्ली को जाने वाला एक जहाज आ रहा है. कहीं वो निकल न जाये.
वो नहीं निकलने पाये गा.
चल मेरी पगड़ी दिखा कमाल!
वाह!
बिलायतीराम, अब दिल्ली पहुंच कर टोक्यो की दूसरी फ्लाइट पकड़ना.

साबू का हैट

साबू का हैट
भाई मुरली, आज अपनी किस्मत डूबी हुई है. कोई मछली भी काँटे में नहीं फंसी.
चार दिन हो गये खाना खाये हुये.
खाने के लिये पैसे तो हैं नहीं. मैंने सोचा था मछली पकड़कर ही खा लेंगे, मगर वह भी हाथ नहीं लगी.
खोटे! वह देख. पानी में एक हैट.
इतना बड़ा हैट किसी आम आदमी का नहीं हो सकता. यह साबू का लगता है.
अपने को क्या? किसी का भी हो. यह हैट हम नत्थू कबाड़ी को बेच देंगे. रोटी खाने को पैसे आ जायेंगे.

ठीक है. मैं अभी उसे कांटे से पकड़ता हूं.
अरे मुरली! यह तो खिंच नहीं रहा. जरा तू भी दम लगा.
खींचो!
आ गया!

अरे बाप रे ! साबू !
भागो !
मुरली, ठहरो !
कहां भागते हो ? तुमने सुना नहीं ?
गलती हो गई, चाचा जी. हम चार दिन के भूखे थे. हमने सोचा हैट से कुछ पैसे वसूल हो जायेंगे.
अरे, यह हैट मेरे सिर में फंस गया था. इसलिये इसे पहने ही मैं नहाने चला गया. तुमने इसे मेरे सिर से निकालकर बहुत अच्छा किया.
खोटे, मुरली ! आज तुम हमारे साथ खाना खाओगे.
©PRAN'S FEATURES

घुमावदार पहेली
खरैती. मेरे थैले में बहुतसे पटाखे हैं. चाचा चौधरी सो रहा है. एक पटाखा मैं खिड़की के अंदर फैंकता हूं. धमाके से चौधरी एकदम हड़बड़ा जायेगा.
वाह! मजा आ जायेगा.
यह लगाई आग.
और यह गया पटाखा.
धमाकासिंह, तुम्हारा पटाखा तो फटा ही नहीं!
कोई बात नहीं, यह गया दूसरा पटाखा.

यह भी फिस्स हो गया.
यह गया तीसरा.
धमाकासिंह, तुम्हारे सारे पटाखे बेकार हैं. एक भी नहीं चला. तुमने मेरा वक्त यूं ही बर्बाद किया.
चलो, अपने घर का रास्ता नापो.
खैरैती, नाकामयाबी तो हमारे पल्ले पड़ी ही, क्यों न एक पटाखा यहां चलाकर ही देख लें?
देख लो.

ब ड़ा म !
कमबख्त, मेरी खिड़कियों के सारे शीशे तोड़ दिये! मैं तुम्हें पुलिस के हवाले करता हूं.
पहलवान, तुम्हारा जहां जी चाहे ले जाओ परंतु एक बार मुझे चाचा चौधरी से मिल लेने दो.
चाचाजी, जब आप सोये थे तब मैंने कई पटाखे खिड़की से फेंके पर एक भी नहीं फटा. मैं यह रहस्य जानना चाहता हूं.
अंदर आओ.
खिड़की के पास यह पानी की बाल्टी रखी है, तुम्हारे सारे पटाखे इसमें गिर गये.
©PRAN'S FEATURES 1981

गोरबा
एक दिन...
ए! मैं भूखा हूं, कुछ खाने को दो.
?
अरे भूख तो आदमियों या पशु-पक्षियों को लगती है. तुम तो न ही आदमी हो न पशु-पक्षी.
मैं गोरबा हूं, मरकरी ग्रह का निवासी. खाने को दो कुछ, नहीं तो...
नहीं तो क्या कर लेगा?
अभी बताता हूं!
गुस्से में उस प्राणी ने अपना मुंह खोला.
फुर्र र्र र्र!
ओह! लपटें
आग!
आग!

कुछ दूर...
साबू! कुछ लोग भागे हुये आ रहे हैं.
बचाओ!
चाचाजी, उधर मरकरी ग्रह से एक अजीबोगरीब प्राणी गोरबा आया है. उसने हमारे मकान को आग लगा दी.
अच्छा? चलो देखते हैं.
खाने को दो. नहीं तो सबको जलाकर राख कर दूंगा.
कनस्तर! तेरी यह हिम्मत!
फुर्र
मुझसे उलझते हो? यह लो!
ओह!
साबू! ठहरो, ऐसे नहीं.

तुम्हें भूख लगी है! यह लो, सेब खाओ.
और लाओ!
यह लो.
ओह! बारिश!
साबू, अब मौका है. मैं बारिश के ही इंतजार में था. पानी उसकी आग को बुझा देगा.
कनस्तर! अब कहां भागता है?
कड़ाक!
©PRAN'S FEATURES
नत्थू कबाड़ी! इस कनस्तर का क्या दोगे?
एक पैसा भी नहीं. यह टूटा हुआ है.

रंगों का कमाल
अरे फल्टू, कहां जा रहे हो?
चाचा चौधरी के साथ होली खेलने.
क्यों अपनी खिल्ली उड़वाता है? चाचा चौधरी पर आज तक कोई रंग नहीं डाल सका.
इसीलिये मैंने आज उसे रंगने की ठान ली है.
मैं राजस्थान, गुजरात, बिहार और उत्तर प्रदेश के बड़े बड़े सूरमाओं से होली खेल चुका हूं और उन्हें रंग में तरोतर कर चुका हूं.
आओ मेरे साथ और अपनी आंखों से देखो कि चाचा चौधरी के कपड़े कैसे रंगता हूं.

वह चाचा चौधरी आ रहा है.
अरे पल्टू, चाचा चौधरी इधर से आ रहा है और तू उधर भाग रहा है?
मेरा अपने शिकार को रंगने का यही तरीका है. अगर मैं उसके सामने आ गया तो वह मुझे देखते ही भाग जायेगा.
इसलिये छुपकर उसका इंतजार करना चाहिये और ज्योंही वह करीब आये एकदम...

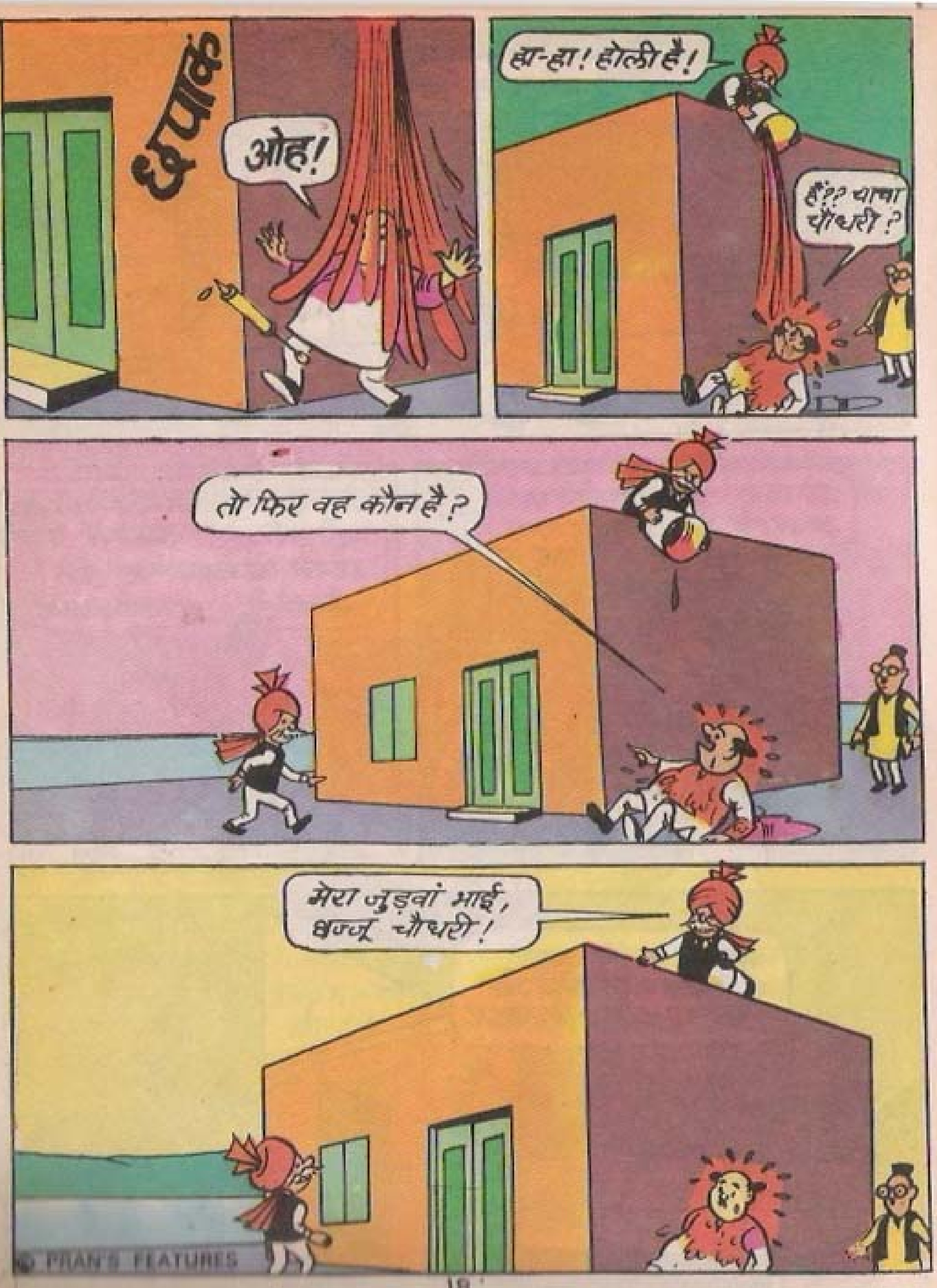
धपाक
ओह!
हा-हा! होली है!
हैं?? चाचा चौधरी ?
तो फिर वह कौन है ?
मेरा जुड़वां भाई, धज्जू चौधरी!
© PRAN'S FEATURES

सहारा रेगिस्तान
चाचा चौधरी सहारा के रेगिस्तान में...
चाचाजी, यह रेगिस्तान कब खत्म होगा?
कोई पता नहीं. यह दुनियां का सबसे बड़ा रेगिस्तान है. बस चलते जाओ.
रात हो गई है. सोने के लिये यहां कोई सराय या होटल मिलेगा?
साबू, यह बंबई या पैरिस नहीं. रेगिस्तान में जहां रात हुई वहीं सो गये.
खर्र-खर्र र र
खर्र-र र

रात को रेत उड़-उड़कर साबू और चाचा चौधरी पर इकट्ठी होने लगी.
दूसरे दिन जब सूरज निकला तब तक वे पूरी तरह रेत में दब चुके थे.
थोड़ी दूरी पर ...
बाप रे! रेगिस्तानी डाकू!
मेरा सामान मत लूटो! रहम!
चुप!
धांय
ओह! गोली चलने की आवाज.
साबू!

हो-हो-! यहां तो एक और मुर्गा बैठा है!
तुम्हारा सामान कहां है?
इस रेत के टीले के नीचे! निकाल लो!
हो-हो! काफी ढेर सारा माल लगता है!
ओह! यह क्या?
टिशूं!
बचाओ!
वह जाकर पिरामिड में गढ़ गया है.
© PRAN'S FEATURES

बर्फ का दानव
एस्किमों लोगों का प्रदेश उत्तरी ध्रुव– जहां चारों तरफ बर्फ जमी रहती है और साल में छह महीने तक सूरज नहीं दिखता.
एस्किमों बच्चे बर्फ की गेंद बनाकर खेल रहे थे.
तभी बर्फीले पहाड़ों के पीछे से...
बर्फीला दानव!
भागो! बर्फीला दानव!
बच्चे भाग निकले पर बर्फीले दानव ने दो रेनडीयर पकड़ लिये.

उत्तरी ध्रुव के पशुओं को निगलकर बर्फीला दानव वापस चल दिया.
इस तरह वह हर रोज आता और रेनिडीयरों को पकड़कर खा जाता.
तब सारे एस्कैमो इकट्ठे हुये.
रेनिडीयर हमारा उपयोगी पशु है. हमारी स्लेज खींचता है. उसकी खाल के हम कपड़े पहनते हैं. अगर बर्फीला दानव उन्हें यूं खाता गया तो वे एक दिन सब खत्म हो जायेंगे. भारत देश में मेरा एक दोस्त चाचा चौधरी रहता है. मैं उसे चिट्ठी लिखता हूं.
इधर
साबू, उत्तरी ध्रुव से मेरे दोस्त फोजो की चिट्ठी आई है. हमें तुरंत वहां पहुंचना है.
उत्तरी ध्रुव पहुंच कर...
चाचाजी, वह आगे बढ़ रहा है. क्या मैं उसकी गर्दन मरोड़ दूं?
नहीं साबू उसे इस पत्थर पर खड़े रेनिडीयर को उठाने दो.

बर्फीले दानव ने रेनडीयर को पकड़ लिया.
तभी वह हड़बड़ा गया.
फटाक!
वह टिन का बना हुआ रेनडीयर का पुतला था जिसे मैंने गर्म करके खड़ा कर दिया था. बर्फीला दानव बर्फ का बना था इस लिये गर्म पुतले ने उसकी सारी बर्फ गला दी.
© PRAN'S FEATURES 1981

चचाजान
मटर !
हां, मटर.
वह लाला बैग भर कर रुपये बैंक में जमा करने आ रहा है.
पर हम उससे बैग कैसे छिन सकते हैं? हमारे पास न पिस्तौल है न चाकू?
तो क्या हुआ? हम उसे इस इमारत की बारहवीं मंजिल पर ले जायेंगे और वहां से उसे धक्का दे देंगे.
आओ
लालाजी, ऊपर आप के चचाजान बुला रहे हैं.
मेरे चचाजान?
C-357

हां, ऊपर चलकर खुद देख लो.
LIFT
बारहवीं मंज़िल पर--
पर यहां तो कोई नहीं.
वह शायद तुम्हें देखने नीचे चले गये. ज़रा खिड़की से झांक कर देखना.
कहां ?
यहां !
धक्का
बचाओ
धड़ाम !
अरे ट्रक रोको ! ओह !
?
© PRAN'S FEATURES

दो बदमाश धोखे से मुझे बारहवीं मंजिल पर ले गये और मेरा रुपयों से भरा बैग हथियाने के लिये ऊपर से मुझे धक्का दे दिया.
किधर जा रहे हो? गेट तो इधर है.
चोर उचक्के कभी मेन गेट से नहीं भागते.
गटर, मेनगेट पर लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई होगी. पिछले दरवाजे से निकल भागो.
तड़ाक!
ओह!
फटाक!
फफ!
लालाजी, लो अपना बैग.

गलत नंबर
अरे तुम दुनियां के झमेलों में ही पड़े रहोगे या घर की भी सुध लोगे?
आज यह ज्वालामुखी कैसे फट रहा है?
अपना हरीमन तोता कोई चुरा कर ले गया है.
तो पुलिस को टेलीफोन करो.
चाची पुलिस थाने का नम्बर घुमाती हैं
ट्रिन ट्रिन
पागलखाना
ही- ही- -
हेलो, हवलदार साहब ?
हवलदार? अरे यहां जो आता है वह अपने आप को पुलिस - कमिश्नर समझता है.

यह टेलीफोन एक्सचेंज है या किसी घसियारे की दुकान? नम्बर मिलाओ थाने का, मिलता है जाकर पागलखाने.
अरी भागवान, अपना ब्लडप्रेशर जरा कम करो. मुझे सोचने का मौका दो.
उधर --
पब्लिक टेलीफोन
हा-हा- नत्थू के लिये हरीमन तोता तो दूर दुनिया की कोई भी चीज चुराना मुश्किल नहीं.
अपने सरदार, डाकू गोबरसिंह को जब यह खबर दूंगा तो वह बहुत खुश होगा.
डाकू गोबरसिंह --
ट्रिन-ट्रिन
उधर लाइन चाचा चौधरी के टेलीफोन से भी मिल जाती है.
ट्रिन-ट्रिन.

सरदार, मैं नत्थू चोर बोल रहा हूं. मैंने चाचा चौधरी का हरीमन तोता चुरा लिया है. लैटर बक्स के पास आकर ले जाओ.
शाबाश मेरे पट्ठे! मैं नहीं आ सकता. अपना आदमी भेज रहा हूं अपना कोड वर्ड होगा टायं- टायं --
-- जो आदमी तुम्हारे पास आ कर यह बोले, तोता उसी को दे देना.
टिंगू मास्टर! भाग कर जाओ. जो आदमी लैटर बक्स के पास खड़ा हो, उसे टायं - टायं कहना.
टायं-टायं
अहा- आ गये तुम? यह लो तोता.
© PRAN'S FEATURES 1981
लो भागवान! आज टेलीफोन एक्सचेंज की बदौलत ही हमें तोता वापस मिला.
टायं - टायं
?

फुटबाल चैम्पियन
एक दिन --
रूक्खू! किधर है तुम्हारा चाचा चौधरी? हम उसको हराने आया है.
आपकी तारीफ?
हम दुनियां के मशहूर फुटबाल खिलाड़ी पेले का गुरू भेले है. अब तक हम फुटबाल मैचों में कोई पचास हजार गोल कर चुका है. हम ब्राजील से भारत इसलिये आया है कि---
-- चाचा चौधरी पर गोल कर के उसे इस मैदान से गोल कर दिया जाये.
अरे तू उसे क्या गोल करेगा, तू तो खुद ही गोल है.
अरे, तुम चाचा चौधरी का तमाशा देखना चाहता है या नहीं?
बिल्कुल देखना चाहता हैं
तो फिर हमको उसके पास ले चलो.
आओ, मेरे साथ, मिस्टर झमेले. मेरा मतलब है, मिस्टर भेले.
C-355

लो, वे इधर ही आ रहे हैं.
मिस्टर चौधरी! हम ब्राजील का खिलाड़ी फ़ेले, तुम को फुटबाल मैच के लिये चैलेंज करता हैं!
अरे भाई फ़ेले! तुम इस चैलेंज वैलेंज के झमेले में क्यों पड़ते हो? तुम इतनी दूर से आये हो, भारत में घूमो फिरो. ताजमहल देखो या कुतुबमीनार जाओ
नहीं! हम तुमको हराना मांगता.
चाचाजी, फ़ेले का चैलेंज कबूल कर लो. इसके दिल की तमन्ना भी पूरी कर दें.
और मैच शुरू हुआ.
© PRAN'S FEATURES

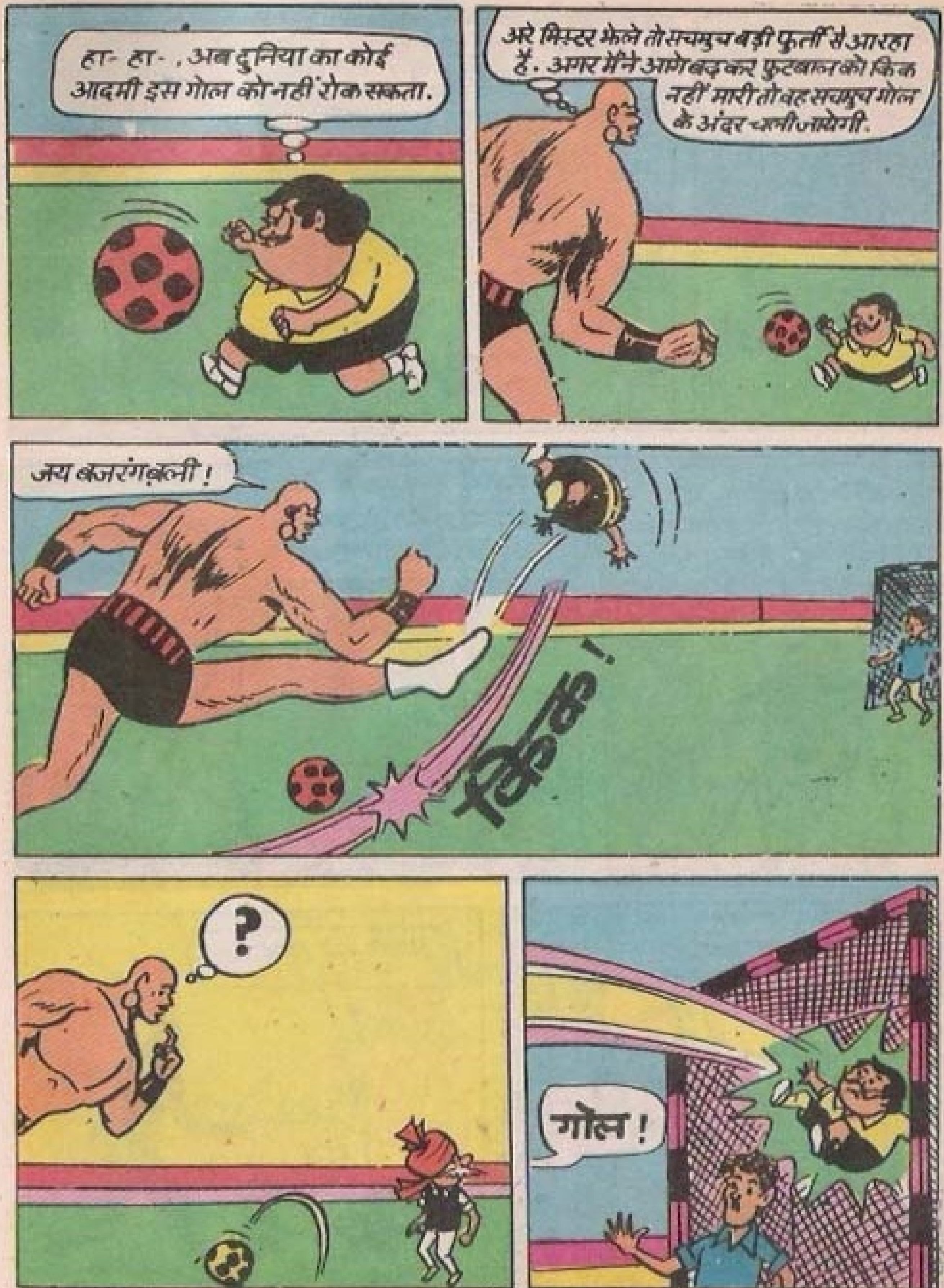
हा- हा- , अब दुनिया का कोई आदमी इस गोल को नहीं रोक सकता.
अरे मिस्टर फेल्ले तो सचमुच बड़ी फुर्ती से आरहा है. अगर मैंने आगे बढ़ कर फुटबाल को किक नहीं मारी तो वह सचमुच गोल के अंदर चली जायेगी.
जय बजरंगबली !
किक !
?
गोल !

खलनायक
डायरेक्टर साब, परेशान किधर भागे जा रहे हैं ?
फिल्म की सारी यूनिट बैठी इंतजार कर रही है, पर कमबख्त विलिन का कहीं ठिकाना नहीं.
कितना अच्छा हो अगर साबू विलिन की जगह ले ले.
जा भई साबू, फिल्मों में चांस मिल रहा है. यह सुनहरा मौका हाथ से न जाने दो.
आओ, मेरे साथ.
c-347

लोकेशन पर
साबू, सीन समझ लो. हीरो और विलिन में फाईट होगा. हीरो लोटन कुमार तुम्हारी पिटाई करना मांगता है.
वह मेरी पिटाई क्या करेगा? उसके तो हाथ ही मुझ तक नहीं पहुंच रहे.
वह हम सब ट्रिक फोटोग्राफी से कर लेगा.
एक्शन शुरू!
डायरेक्टर
थडडडडडडड
थडडडड
कैमरा!
साबू, अब तुम भी एक दो मुक्के हीरो के मारो, ताकि फाईट रीयल लगे.

जय बजरंग बली!
ढिशुं!
ओह, मेरा विग!
धड़ाम!
अस्पताल
शायद फिल्मी इतिहास में पहली बार किसी विलिन ने हीरो की पिटाई की है,
© PRAN'S FEATURES 1981

कार दौड़
अरे खोटू, इस कार दौड़ में हिस्सा लेना अपने हाथों अपना मुंह काला करने के बराबर है.
क्यों ?
क्योंकि इस कार दौड़ में चाचा चौधरी भी हिस्सा ले रहा है और उसे हराना पानी पर चलने के बराबर है.
अरे मैंने ऐसे चाचा चौधरी बहुत देखे हैं. आओ मेरे साथ.
चाचा चौधरी की कौनसी कार है ?
वह, बीच वाली
मैं अभी इसके गीयर और इंजिन बदल देता हूं.
C-353

कुछ देर बाद--
थोद! मैंने उस कार में ऐसा रद्दोबदल कर दिया है कि वह अब आगे की बजाय पीछे को भागेगी.
और दौड़ शुरू हुई --
ठांय!
ज़ूम!
?
हैं??? यह क्या? मेरी कार पीछे को दौड़ रही है!
चाचा चौधरी ने कार को घुमा कर उसका रुख बदला.
अब मैं उल्टा चला कर ही कार को उनके पीछे दौड़ाऊंगा.
हा-हा-
हो-हो-
© PRAN'S FEATURES 1981

चाचा चौधरी ने पहले एक कार को ओवरटेक किया.
-फिर दूसरी को-
कार भले ही उल्टी दौड़ रही है, पर इसकी रफ़्तार में कोई फर्क नहीं आया.
अरे खोटू, जरा पलट कर पीछे देख. चाचा चौधरी कार को उल्टे ही लिये चला आ रहा है.
हा-हा-
हो-हो-
कमबख्त! मैंने तुझे कहा था कि कार दौड़ में हिस्सा न ले.
फर्स्ट!
वाह!
उसे डबल इनाम मिलना चाहिये क्योंकि वो उल्टी कार चला कर आया है.

फव्वारे का स्नान
साबू, अपना खेत सूखा पड़ा है.
अगर पानी दे दिया जाये तो पौधे उगते देर नहीं लगेगी.
अभी लो चाचाजी.
अपने ट्यूबवेल से मैं सारे खेत को तर कर देता हूं.

कनचेदीलाल आता है.
साब, मुझे नहाना है.
घर जाकर नल से नहा लो.
नलों में पानी नहीं है. अगर तू अपने ट्यूबवेल के पानी से नहला दे तो मजा आ जाये.
कपड़े उतार कर आ जाओ.
लो आ गया. पाईप का मुंह इधर करो.
©PRAN'S FEATURES 1991

लो!
ओह्ह! इसकी धार तो बहुत तेज है.
फर्ररर
ईश्वर के लिये इसे बंद करो.
लो!
धब
मुझे यह सारा कीचड़ वहीं पर जाकर धोना पड़ेगा.

जूतों का कमाल
भीखू और जीखू, दो चोर
भीखू भाई, कुछ हाथ लगा?
नहीं, तुम्हारे?
मेरा भी यही हाल है. मैं जिस घर में घुसा था वो एक क्लर्क का था. जब मैं चोरी कर रहा था तो वो जाग गया. उसने मेरा हाथ पकड़ कर कहा कि भाई यहां क्या धरा है? इतनी महंगाई के जमाने में गुजारा ही मुश्किल से होता है, बचत कहां कि जो तुम चुरा सको.
उसने आगे कहा, तंख्वाह जिस दिन आती है उसी दिन वो मकान का किराया, पंसारी, धोबी, ग्वाले और दर्जी का उधार चुकाने में खर्च हो जाती है. अब बस के लिये भी पैसे नहीं हैं. मुझे रहम आ गया और मैंने अपनी जेब से निकाल कर उसे पांच रुपये दे दिये.
अब तुम अपनी सुनाओ?
भाई जीखू, मेरी कुछ मत पूछो. मैं गलती से एक इंकम टैक्स वाले के घर घुस गया. वो मुझे पकड़ कर मेरी आमदनी का हिसाब पूछने लग गया.
कुछ ले दे कर बड़ी मुश्किल से उससे जान छुड़ाई.
© PRAN'S FEATURES 198

भीखू, आओ अब हम दोनों इकट्ठे चोरी करेंगे. कहीं न कहीं तो हमारी किस्मत चमकेगी
इस मकान का ताला तोड़ दें?
नहीं.
क्यों?
वो देखो, इस मकान की बगल में साबू सो रहा है. इस मकान में चोरी करना जानबूझ कर अपने हाथ-पैर तुड़वाने के बराबर है.
आओ, कोई दूसरी सुरक्षित जगह देखें.
यहां कोई नहीं है. इस घर का ताला तोड़ दो.
झननन..

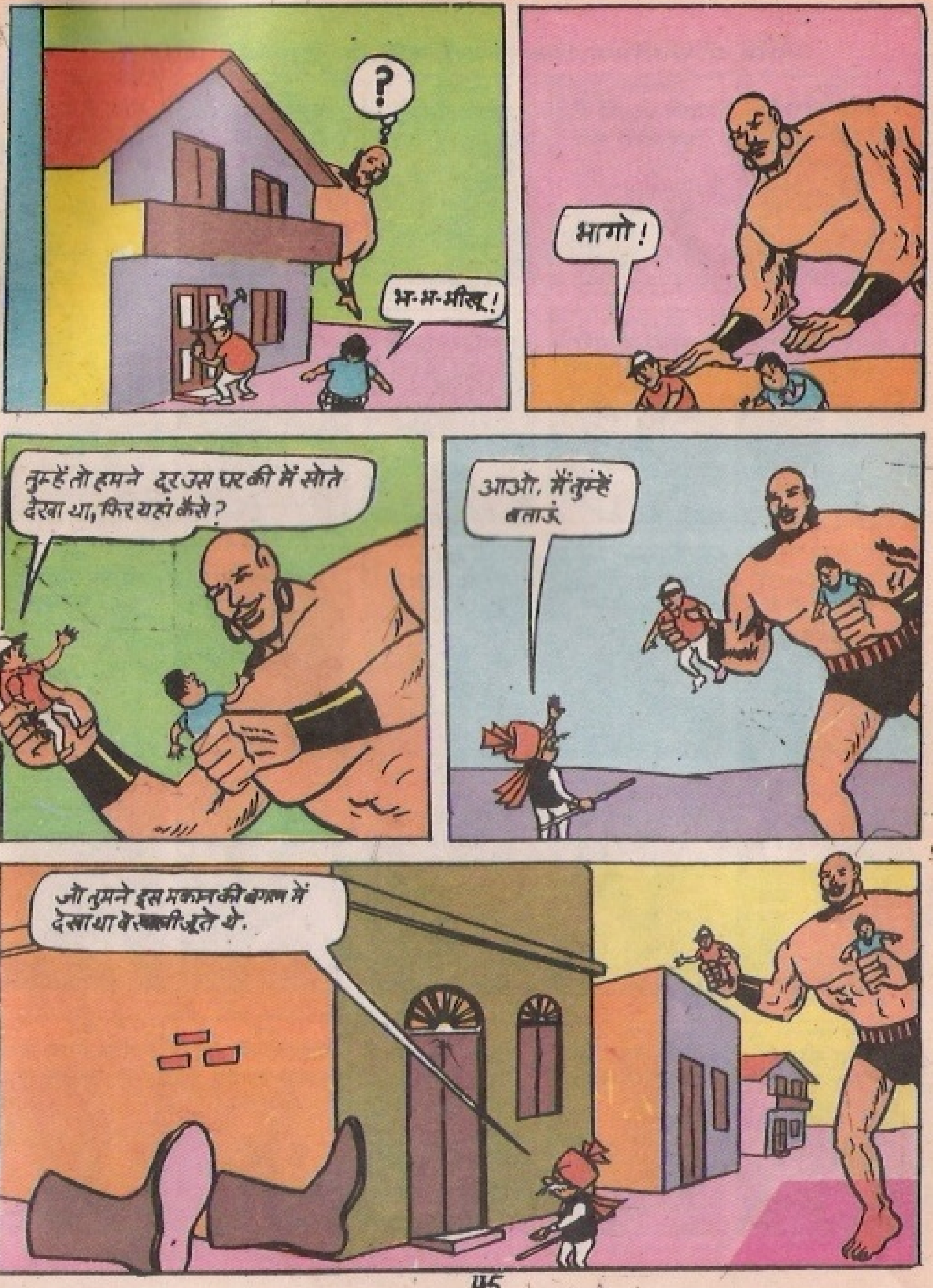
?
भ-भ-भील!
भागो!
तुम्हें तो हमने दूर उस घर की में सोते देखा था, फिर यहां कैसे?
आओ, मैं तुम्हें बताऊं.
जो तुमने इस मकान की बगल में देखा था वे खाली जूते थे.

डायमण्ड कॉमिक्स प्रस्तुति

कार्टूनिस्ट प्राण के

सदाबहार चरित्र चाचा चौधरी, पिंकी, बिल्लू, रमन, श्रीमतीजी, सोनी संपत के मनोरंजक कॉमिक्स

चाचा चौधरी सीरीज

डायमंड कॉमिक्स (प्रा.) लि., ए-11, सेक्टर-58, नोएडा-201 301 (उ. प्र.)

An O-11 PRESENTATION..

Like it? Buy it n save the Indian Comics Industry!

Vaasu's Upload #15
An O11 Presentation

Designed by Arjun Mediratta (# o14)